www.railsamacharbureauald.com

सम्पूर्ण भारतीय रेल जगत का प्रथम पाक्षिक, प्रयागराज से प्रकाशित

रेल समाचार ब्यूरो

सन् 1990 से रेल सेवा में समर्पित

"भारतीय रेलवे, एक सदी की यात्रा का संगम है, जो हर एक भारतीय की कहानी को जोड़े रखता है।"

"भारतीय रेलवे, केवल एक यात्रा नहीं, बल्कि देश की विविधता और एकता का प्रतीक है।"

वर्ष-34 अंक-16 प्रयागराज रेल समाचार ब्यूरो 16-31 अगस्त 2024 पृष्ठ 08 मूल्यः20 रु. मात्र + डाक खर्च (रंगीन सहित)

78वें स्वतंत्रता दिवस पर RITES कार्यालयों और परियोजना स्थलों पर लहराया तिरंगा

RITES के सभी कार्यालयों और परियोजना स्थलों पर 78वें स्वतंत्रता दिवस को गर्व और देशभक्ति के साथ मनाया गया। तिरंगे के साए में कर्मचारियों ने राष्ट्र के प्रति अपने समर्पण और कर्तव्यनिष्ठा का प्रदर्शन किया। इस अवसर पर देशभक्ति के गीतों और वक्तव्यों ने माहौल को और भी प्रेरणादायक बना दिया। RITES के अधिकारी और कर्मचारी इस खास दिन पर भारत की आजादी के संघर्ष और उसके मूल्यों को याद करते हुए तिरंगे को सलामी दी।

रेल राज्य मंत्री और खाद्य प्रसंस्करण उद्योग राज्य मंत्री श्री रवीनीत सिंह बिट्टू जी ने आरपीएफ के कर्मियों के साथ मनाया देश की एकता और गर्व का जश्न

सूत्र/रे.स.ब्यू- 15 अगस्त 2024 को, श्री रवीनीत सिंह बिट्टू जी ने नई दिल्ली स्थित अपने आवास पर भारत के 78वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया। इस विशेष अवसर पर रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के कर्मियों ने भी उपस्थित होकर देश की एकता और गर्व का जश्न मनाया। उपस्थित जनों को संबोधित करते हुए, मंत्री महोदय ने स्वतंत्रता के बाद से भारत की अद्भुत यात्रा के प्रति अपनी गहरी श्रद्धा व्यक्त की और सरकार की उन मूल्यों को बनाए रखने की प्रतिबद्धता को दोहराया जो राष्ट्र की शक्ति को परिभाषित करते हैं। उन्होंने एक समृद्ध और समावेशी भारत के निर्माण के लिए एकता और सामूहिक प्रयास के महत्व पर जोर दिया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के गायन के साथ हुआ, जिससे देशभक्ति की भावना और राष्ट्र की प्रगति के प्रति एक नई समर्पण भावना उत्पन्न हुई।

SPONSORED BY RITES

हम बुद्ध के देश हैं, युद्ध हमारी राह नहीं है– पीएम मोदी

सूत्र/रे.स.ब्यू- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 78वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अपने भाषण के माध्यम से भारत के भविष्य के लिए एक महत्वाकांक्षी दृष्टिकोण प्रस्तुत किया। लगभग 97 मिनट के अपने इस संबोधन में उन्होंने देश को विभिन्न क्षेत्रों में वैश्विक स्तर पर अग्रणी बनाने की दिशा में उठाए जाने वाले कदमों की रूपरेखा पेश की। प्रधानमंत्री का भाषण न केवल सरकार की उपलब्धियों और योजनाओं का विवरण था, बल्कि यह भारत को 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बनाने की उनकी दृष्टि का एक स्पष्ट रोडमैप भी था। प्रधानमंत्री ने अपने भाषण की शुरुआत 'जीवन की सुगमता' मिशन पर जोर देकर की। उन्होंने बताया कि उनकी सरकार मिशन मोड पर जीवन की गुणवत्ता को बेहतर करने की दिशा में कार्यरत है। इसके अंतर्गत शहरी क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे और सेवाओं में सुधार के माध्यम से जीवन को और अधिक सुगम बनाने के उपाय किए जा रहे हैं। नालंदा विश्वविद्यालय के पुनरुद्धार पर विशेष ध्यान देते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि यह भारत को वैश्विक शिक्षा केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। नालंदा की प्राचीन शिक्षा प्रणाली को पुनर्जीवित करते हुए, यह विश्वविद्यालय उच्च शिक्षा और अनुसंधान के लिए एक प्रमुख केंद्र बनने की दिशा में अग्रसर होगा। प्रधानमंत्री ने 'मेड इन इंडिया' चिप और सेमीकंडक्टर उत्पादन पर बल दिया। उन्होंने कहा कि इसका उद्देश्य भारत को तकनीकी आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ाना है और आयात पर निर्भरता को कम करना है। इसके साथ ही, उन्होंने 'स्किल इंडिया' कार्यक्रम के तहत युवाओं को प्रशिक्षित कर भारत को दुनिया की कौशल राजधानी बनाने की दिशा में भी अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। औद्योगिक विनिर्माण के क्षेत्र में, प्रधानमंत्री ने भारत को एक वैश्विक विनिर्माण केंद्र के रूप में स्थापित करने की परिकल्पना की। उन्होंने कहा कि इसके लिए देश के व्यापक संसाधनों और कुशल कार्यबल का भरपूर उपयोग किया जाएगा। इसके साथ ही, उन्होंने 'भारत में डिजाइन, दुनिया के लिए डिजाइन' की अवधारणा पर भी जोर दिया, जिससे स्वदेशी डिजाइन क्षमताओं को बढ़ावा दिया जा सके और घरेलू एवं अंतरराष्ट्रीय बाजारों की जरूरतों को पूरा किया जा सके। वैश्विक गेमिंग बाजार में भारत को अग्रणी बनाने की प्रधानमंत्री की योजना ने भी काफी चर्चा बटोरी। उन्होंने कहा कि भारत को अपनी समृद्ध प्राचीन विरासत और साहित्य का लाभ उठाकर मेड इन इंडिया गेमिंग उत्पाद बनाने चाहिए। उन्होंने कहा कि भारतीय पेशेवरों को न केवल खेलने में बल्कि गेम बनाने में भी वैश्विक गेमिंग बाजार का नेतृत्व करना चाहिए। प्रधानमंत्री ने जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के लिए हरित रोजगार और ग्रीन हाइड्रोजन मिशन की भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि भारत हरित विकास और हरित रोजगार पर ध्यान केंद्रित कर रहा है, जिससे पर्यावरण संरक्षण में योगदान के साथ-साथ रोजगार के अवसर सृजित होंगे। इसके साथ ही, उन्होंने भारत को ग्रीन हाइड्रोजन के उत्पादन में वैश्विक स्तर पर अग्रणी बनाने की प्रतिबद्धता भी दोहराई। स्वस्थ भारत मिशन के तहत प्रधानमंत्री ने देश को 'स्वस्थ भारत' की दिशा में आगे बढ़ने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए स्वास्थ्य के क्षेत्र में बड़े कदम उठाए जा रहे हैं, जिनमें राष्ट्रीय पोषण अभियान भी शामिल है। प्रधानमंत्री ने राज्य स्तर पर निवेश को बढ़ावा देने के लिए प्रतियोगितात्मक नीति बनाने पर भी जोर दिया। उन्होंने राज्य सरकारों से आग्रह किया कि वे निवेश आकर्षित करने, सुशासन का आश्वासन देने और कानून-व्यवस्था की स्थिति में विश्वास बहाली के लिए स्पष्ट नीतियां बनाएं। अंत में, प्रधानमंत्री ने राजनीति में युवाओं की भागीदारी बढ़ाने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने 1 लाख युवाओं को राजनीति में लाने का आह्वान किया, विशेष रूप से उन लोगों को जिनके परिवारों में राजनीति का कोई इतिहास नहीं है। उन्होंने कहा कि इस पहल का उद्देश्य भाई-भतीजावाद एवं जातिवाद की बुराइयों से लड़ना और भारत की राजनीति में युवाओं को शामिल करना है। प्रधानमंत्री मोदी का यह संबोधन भारत को भविष्य के लिए तैयार करने की दिशा में एक मजबूत कदम माना जा रहा है। उनके भाषण ने देशवासियों को एक विकसित, आत्मनिर्भर, और अग्रणी भारत की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया है।

उदयपुर–आगरा कैंट के मध्य 02 सितंबर से नई वंदे भारत ट्रेन का संचालन।

सूत्र/पमरे- रेल प्रशासन द्वारा यात्रियों की सुविधा एवं पर्यटक स्थलों को जोड़ने के उद्देश्य से नई वंदे भारत ट्रेन का संचालन पश्चिम मध्य रेलवे के स्टेशनों से होकर उदयपुर सिटी-आगरा कैंट-उदयपुर सिटी के बीच 02 सितंबर 2024 से किया जा रहा है। यह नई वंदे भारत दोनों दिशाओं में त्रिसाप्ताहिक रूप में सोमवार, गुरुवार एवं शनिवार को संचालित होगी। नई वंदे भारत एक्सप्रेस पश्चिम मध्य रेल के कोटा, सवाई माधोपुर एवं गंगापुर सिटी से होकर गंतव्य को जाएगी। इस नई वंदे भारत ट्रेन की विस्तृत जानकारी निम्न है। गाड़ी संख्या 20981 उदयपुर सिटी-आगरा कैंट वंदे भारत एक्सप्रेस उदयपुर सिटी से सुबह 05:45 बजे प्रस्थान कर, राणा प्रताप नगर 05:52 बजे आगमन, मावली 06:24 बजे आगमन, चंदेरिया 07:41 बजे आगमन, कोटा 09:50 बजे आगमन, सवाई माधोपुर 11:00 बजे आगमन एवं गंगापुर सिटी 11:43 बजे आगमन कर दोपहर 14:30 बजे आगरा कैंट पहुँचेगी। इसी प्रकार वापसी में गाड़ी संख्या 20982 आगरा कैंट-उदयपुर सिटी वंदे भारत एक्सप्रेस आगरा कैंट से 15:00 बजे प्रस्थान कर गंगापुर सिटी 16:53 बजे आगमन, सवाई माधोपुर 17:38 बजे आगमन, कोटा शाम 19:00 बजे आगमन, चंदेरिया 21:35 बजे आगमन, मावली 22:35 बजे आगमन, राणा प्रताप नगर 23:12 बजे आगमन कर उदयपुर सिटी रात 23:45 बजे पहुँचेगी। यह वंदे भारत एक्सप्रेस दोनों दिशाओं में उदयपुर सिटी से आगरा कैंट के मध्य राणा प्रताप नगर, मावली, चंदेरिया, कोटा, सवाई माधोपुर, गंगापुर सिटी स्टेशनों पर रुकेगी।

नई वंदे भारत ट्रेन के ठहराव एवं समय के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

उत्तर पश्चिम रेलवे ने जुलाई माह में यात्री ट्रेनों के संचालन में 95-29% समयपालन को प्राप्त कर संपूर्ण भारतीय रेलवे पर पुनः प्रथम स्थान प्राप्त किया ।

सूत्र/उमरे - उत्तर पश्चिम रेलवे ने वर्ष 2024-25 के जुलाई माह में मेल/एक्सप्रेस गाड़ियों के संचालन में 95.29 प्रतिशत समयपालन को प्राप्त कर भारतीय रेलवे के सम्पूर्ण जोन में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। उत्तर पश्चिम रेलवे, जुलाई माह से पहले इस वर्ष दूसरे स्थान पर था। इसके साथ ही माल लदान में किए गए अभिनव प्रयासों से उत्तर पश्चिम रेलवे ने वर्ष 2024-25 में जुलाई माह तक 9.79 मिलियन टन माल लदान किया है। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी के अनुसार, श्री अमिताभ, महाप्रबंधक-उत्तर पश्चिम रेलवे के दिशा-निर्देशों से, उत्तर पश्चिम रेलवे पर यात्री ट्रेनों के संचालन एवं समयपालन पर विशेष ध्यान केंद्रित किया गया है। उत्तर पश्चिम रेलवे ने वर्ष 2024-25 में जुलाई माह में 95.29 प्रतिशत समयपालन को प्राप्त किया है, जिसके फलस्वरूप उत्तर पश्चिम रेलवे सम्पूर्ण भारतीय रेलवे के सभी जोन में पुनः प्रथम स्थान पर आ गया है। उल्लेखनीय है कि उत्तर पश्चिम रेलवे लगातार 4 वर्षों तक प्रथम स्थान पर रहने के बाद कुछ समय के लिए दूसरे स्थान पर आ गया था। उत्तर पश्चिम रेलवे ने वर्ष 2024-25 में जुलाई माह तक 93.77 प्रतिशत के समयपालन को प्राप्त किया है। श्री अमिताभ, महाप्रबंधक के मार्गदर्शन में उत्तर पश्चिम रेलवे पर लाइनों के दोहरीकरण, स्थाई गति प्रतिबंधों को समाप्त करना एवं नियमित मॉनिटरिंग के फलस्वरूप समयपालन में सुधार हुआ है। इसके साथ ही माल लदान में किये गये अभिनव प्रयासों से उत्तर पश्चिम रेलवे ने वर्ष 2024-25 में जुलाई माह तक 9.79 मिलियन टन माल लदान किया है, जो कि रेलवे बोर्ड द्वारा निर्धारित लक्ष्य 9.71 मिलियन टन से तुलना में लगभग 1 प्रतिशत अधिक है। उत्तर पश्चिम रेलवे ने यात्री तथा माल परिवहन संचालन में सम्पूर्ण भारतीय रेलवे पर अलग पहचान बनाई है तथा नई ऊंचाइयों की ओर अग्रसर है।

रेलवे टिकट काउंटरों पर डिजिटल क्यूआर कोड डिस्प्ले मशीन से पेमेंट हुआ आसान : पश्चिम मध्य रेलवे के 250 से अधिक रेलवे काउंटरों पर क्यूआर कोड पेमेंट सुविधा उपलब्ध।

सूत्र/पमरे- रेलवे में यात्रियों को डिजिटल तकनीक से कैशलेस ट्रांजैक्शन की सुविधा को बढ़ाया जा रहा है। इसी कड़ी में महाप्रबंधक श्रीमती शोभना बंदोपाध्याय के मार्गदर्शन और प्रमुख मुख्य वाणिज्य प्रबंधक के निर्देशन में पश्चिम मध्य रेलवे पर भी डिजिटल पेमेंट को बढ़ावा दिया जा रहा है। डिजिटल पेमेंट को बढ़ावा एवं यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए रेलवे टिकट काउंटरों पर क्यूआर कोड डिस्प्ले मशीन को लगाया गया है। पेमेंट में पारदर्शी लेन-देन के लिए क्यूआर कोड ट्रांजैक्शन सरल एवं सुरक्षित होता है। पश्चिम मध्य रेलवे स्टेशनों पर खानपान स्टॉल, एक स्टेशन एक उत्पाद के तहत संचालित स्टॉल एवं अन्य सभी प्रकार के स्टॉल पर डिजिटल पेमेंट के लिए क्यूआर कोड के माध्यम से भुगतान की व्यवस्था पहले से उपलब्ध है। इसके अतिरिक्त पश्चिम मध्य रेलवे में टिकट चेकिंग स्टाफ को आवंटित हैंड हेल्ड टर्मिनल (एचएचटी) मशीनों के माध्यम से डिजिटल भुगतान किया जा रहा है। अब तक आरक्षित टिकट काउंटरों पर पीओएस मशीन से डिजिटल भुगतान किया जा रहा था। इसी कड़ी में पमरे द्वारा यात्रियों को भुगतान करने की प्रक्रिया को और सरल करते हुए रेलवे टिकट काउंटरों पर क्यूआर कोड डिवाइस की व्यवस्था की गई है, जिससे क्यूआर कोड के माध्यम से भुगतान कर रेल टिकट प्राप्त की जा सकती है। इस अभियान के तहत पश्चिम मध्य रेलवे में अब तक 254 रेलवे काउंटरों पर डिजिटल भुगतान के लिए क्यूआर कोड मशीन को इंस्टॉल किया गया है। जिसमें जबलपुर मंडल के 130 रेलवे काउंटरों, भोपाल मंडल के 09 रेलवे काउंटरों एवं कोटा मंडल के 115 रेलवे काउंटरों पर डिजिटल क्यूआर कोड मशीन सिस्टम स्थापित किया गया है। उल्लेखनीय है कि क्यूआर कोड का माध्यम चयनित करने पर यात्री मोबाइल से स्कैन कर भुगतान कर सकता है। यह डिजिटल क्यूआर कोड मशीन सिस्टम पश्चिम मध्य रेलवे द्वारा सभी रेलवे काउंटरों पर लगाने की प्रक्रिया प्रगति पर है।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के सभी आरक्षित एवं अनारक्षित टिकट काउंटरों पर मिलेगी ऑनलाइन भुगतान हेतु क्यूआर कोड की सुविधा।

सूत्र/रे.स.ब्यू- रेल यात्रियों को आसानी से यात्रा टिकट उपलब्ध कराना रेलवे की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। इस दिशा में रेलवे द्वारा डिजिटल तकनीकों के समावेश के साथ नित नये-नये उपाय किए जा रहे है, जिनमें आरक्षित टिकटों की बूकिंग के लिए मोबाइल टिकटिंग प्रणाली एवं अनारक्षित टिकटों की खरीदी के लिए यूटीएस ऑन मोबाइल एप को अच्छा प्रतिसाद मिल रहा है । रेल यात्रियों को आसानी से यात्रा टिकट उपलब्ध कराने के लिए दी जा रही इन सुविधाओं की कड़ी को आगे बढ़ाते हुए दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में आरक्षित और अनारक्षित टिकट काउंटरों में क्यूआर कोडडिवाइस के माध्यम से ऑनलाइन डिजिटल भुगतान सुविधा की पहल की गई है। इसके तहत आरक्षित एवं अनारक्षित टिकट काउंटरों से यात्रा टिकट खरीदने वाले यात्रियों को कम समय में आसानी से यात्रा टिकट उपलब्ध कराने एवं चिल्हर की समस्या से निजात दिलाने तथा डिजिटल भुगतान की सुविधा को और बढ़ावा देने के उद्देश्य से दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में 500 क्यूआर कोड डिवाइस उपलब्ध कराये गए है । इस प्रकार ये क्यूआर कोड डिवाइस बिलासपुर रेल मंडल के अंतर्गत 205 टिकट काउंटरों, रायपुर रेल मंडल के अंतर्गत 95 टिकट काउंटरों तथा नागपुर रेल मंडल के अंतर्गत 200 टिकट काउंटरों में लगाए जाएंगे। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के इन सभी आरक्षित और अनारक्षित टिकट काउंटरों में सितंबर' 2024 तक ये सभी क्यूआर कोड डिवाइस लगा दिये जाएंगे और यात्रियों को इस सुविधा का लाभ मिलने लगेगा। हालांकि वर्तमान में भी दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के कुछ स्टेशनों पर अनारक्षित टिकट काउंटरों में क्यूआर कोड की सुविधा डीडीआईएस (Dual Display Information System) में दिया गया है। क्यूआर कोड, यूपीआई, एटीवीएम व यूटीएस ऑन मोबाइल एप जैसी सभी सुविधाएं रेल यात्रियों को बिना लंबी लाइन लगे त्वरित यात्रा टिकट दिलाने के साथ ही साथ आसान डिजिटल भुगतान सुविधा सहित चैंज/खुल्ले पैसे आदि की दिक्कतों से भी राहत दिलाने के लिए शुरू की गई है । सभी यात्रियों से आग्रह है कि इस सुविधा का अधिकाधिक लाभ उठायें और अपनी यात्रा को सुगम व आसान बनायें।

कोरबा से अम्बिकापुर एवं गढ़चिरोली से बचेली (व्हाया–बीजापुर) नई रेल लाइन निर्माण के लिए फायनल सर्वे हेतु रेल मंत्रालय की मंजूरी ।

सूत्र/ रे.स.ब्यू - कोरबा से अंबिकापुर और गढ़चिरौली से बचेली (व्हाया-बीजापुर) नई रेल लाइन के लिए फाइनल सर्वे को रेल मंत्रालय से मंजूरी दी गई है, जिसके तहत कोरबा से अम्बिकापुर (180 कि.मी.) एवं गढ़चिरोली से बचेली (व्हाया-बीजापुर) (490 कि.मी.) नई रेल लाइन निर्माण के लिए फाइनल सर्वे व डीपीआर तैयार करने हेतु रेल मंत्रालय द्वारा 16.75 करोड़ रुपये की राशि मंजूर की गई है। कोरबा से अंबिकापुर नई रेल लाइन छत्तीसगढ़ राज्य के महत्वपूर्ण क्षेत्रों को रेल नेटवर्क से जोड़ने तथा गढ़चिरौली से बचेली (व्हाया-बीजापुर) नई रेल लाइन महाराष्ट्र एवं छत्तीसगढ़ के साथ-साथ आंध्र प्रदेश, तेलंगाना एवं ओडिशा राज्य के सीमावर्ती क्षेत्रों के साथ भी बेहतर रेल कनेक्टिविटी स्थापित करने के उद्देश्य से बनाई जा रही हैं। कोरबा से अंबिकापुर रेल लाइन को मंजूरी मिलने से छत्तीसगढ़ के उत्तरी क्षेत्र में स्थित दो प्रमुख शहरों ऊर्जा नगरी कोरबा एवं सरगुजा जिला का मुख्यालय अम्बिकापुर शहर के साथ ही साथ इसके आसपास के क्षेत्रों में बेहतर कनेक्टिविटी बनाएगी, जिससे यात्री यातायात व माल परिवहन को बढ़ावा मिलेगा। गढ़चिरौली से बचेली (व्हाया-बीजापुर) नई रेल लाइन महाराष्ट्र एवं छत्तीसगढ़ राज्य के सूदूर क्षेत्रों को रेल नेटवर्क से जोड़ेगी, जिससे इन क्षेत्रों की सामाजिक, आर्थिक एवं शैक्षणिक विकास को प्रोत्साहन के साथ-साथ इस क्षेत्र में रोजगार के नये अवसर भी उपलब्ध होंगे। इन दोनों परियोजनाओं के फाइनल सर्वे की मंजूरी का मतलब है कि अब इन क्षेत्रों में सर्वेक्षण का काम जल्द ही शुरू होगा, जिसके आधार पर आगे की योजनाएं बनाई जाएंगी। यह कदम क्षेत्रीय विकास और समग्र आर्थिक प्रगति की दिशा में महत्वपूर्ण साबित हो सकेगा ।

श्री शशि कांत त्रिपाठी ने किया उत्तर मध्य रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी का पदभार ग्रहण।

सूत्र/रे.स.ब्यू- दिनांक 05.08.2024 को 2009 सिविल सेवा बैच के भारतीय रेल यातायात सेवा (IRTS) के अधिकारी श्री शशि कांत त्रिपाठी ने उत्तर मध्य रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी का पदभार ग्रहण किया। इससे पूर्व श्री त्रिपाठी वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक (माल)/प्रयागराज का दायित्व निभा रहे थे। उन्होने यह पदभार निवर्तमान मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी श्री हिमांशु शेखर उपाध्याय के उत्तर रेलवे स्थानान्तरण होने के उपरांत ग्रहण किया। श्री शशि कांत त्रिपाठी मूलतः चित्रकूट के रहने वाले हैं और उन्होंने स्नातक की शिक्षा इलाहाबाद विश्वविद्यालय से और परास्नातक की शिक्षा जेएनयू दिल्ली से ली है। श्री शशिकांत त्रिपाठी ने 2012 में उत्तर रेलवे के फिरोजपुर मण्डल में सहायक मण्डल परिचालन प्रबंधक के पद पर कार्य शुरू किया था। श्री त्रिपाठी ने उत्तर मध्य रेलवे/मुख्यालय में उप मुख्य परिचालन प्रबंधक/एफओआईएस, आगरा मण्डल में वरिष्ठ मण्डल परिचालन प्रबंधक/गुड्स, झांसी में मण्डल में वरिष्ठ मण्डल परिचालन प्रबंधक एवं वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबंधक के पद पर भी कार्य किया। श्री शशि कांत त्रिपाठी जी को झाँसी मंडल में गतिशीलता और रेत, फ्लाईएश व बाजरा माल लदान के उत्कृष्ट कार्य के लिए 2021 राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

महाप्रबंधक उत्तर मध्य रेलवे ने आगामी कुंभ मेला 2025 के मद्देनजर परिचालन नियंत्रण केंद्र –डीएफसी का किया निरीक्षण ।

सूत्र/उमरे- दिनांक 08.08.2024 को श्री उपेन्द्र चन्द्र जोशी महाप्रबंधक उत्तर मध्य रेलवे ने परिचालन नियंत्रण केन्द्र प्रयागराज का निरीक्षण किया। महाप्रबंधक, उत्तर मध्य रेलवे के रूप में कार्यभार संभालने के बाद डीएफसी सीआईएल में यह उनका पहला निरीक्षण रहा। यह निरीक्षण आगामी कुंभ मेला-2025 के आयोजन, उसकी तैयारी की जांच तथा भारतीय रेलवे में चलने वाली सभी मालगाड़ियों को ईडीएफसी में स्थानांतरित करने के मॉडल के अनुरूप किया गया। निरीक्षण के दौरान उत्तर मध्य रेलवे मुख्यालय और डीएफसीसीआईएल के अधिकारी मौजूद रहे। महाप्रबंधक, उत्तर मध्य रेलवे ने सभी नियंत्रण अधिकारियों के साथ बातचीत की, ओसीसी में उपयोग में लाई जा रही सभी तकनीकी जानकारियों की समीक्षा की तथा सभी की सराहना महाप्रबंधक ने सभी अधिकारियों को सलाह दी है कि वे ट्रेन संचालन में आने वाली बाधाओं को दूर करने के लिए सभी साथ लगे हुए जोनों जैसे कि पूर्व मध्य रेलवे, उत्तर मध्य रेलवे,उत्तरी रेलवे के साथ समन्वय करें। महाप्रबंधक ने भारतीय रेलवे में कोचिंग ट्रेनों की बेहतर समयबद्धता की भी प्रशंसा की और ईडीएफसी के समन्वय की सराहना की। यह ईडीएफसी में अधिकतम मालगाड़ियों की आवाजाही से कोचिंग ट्रेनों की बेहतर समयबद्धता को दर्शाता है। समयपालन प्रदर्शन के अनुसार आंकड़े बताते हैं कि पिछले वर्ष की तुलना में उत्तर मध्य रेलवे के प्रयागराज मंडल में यात्री ट्रेनों की समयपालनता 59.10: से बढ़कर 70.34:, एनआर के मुरादाबाद मंडल में 48-36% से बढ़कर 66.37:, लखनऊ मंडल में 52.33: से बढ़कर 67.87: हो गई है। महाप्रबंधक ने बैठक के समापन पर कहा कि आने वाले महीनों में ईडीएफसी में मालगाड़ियों की संख्या में और वृद्धि होगी तथा उन्होंने नई उपलब्धियां हासिल करने में पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन दिया।

महाप्रबंधक, उत्तर मध्य रेलवे ने मालगाड़ियों की क्षमता ओर गति बढ़ाने की सलाह दी ओर रेलवे के एक्सप्रेसवे के रूप में ईडीएफसी के उपयोग के लिए नए स्टॉक और विशिष्ट प्रकार का स्टॉकरेक (जिनकी गति अधिकतम हो) पर काम करने की सलाह दी।

संपादकीय

डिजिटल विकास और भारतीय रेलवेः एक नया युग

भारतीय रेलवे, जो देश की जीवनरेखा मानी जाती है, अब डिजिटल विकास के साथ एक नए युग में प्रवेश कर चुकी है। जहां एक समय पर रेलवे की सेवाओं का लाभ उठाने के लिए लंबी कतारों में खड़ा होना पड़ता था, वहीं आज डिजिटल तकनीक ने इस प्रक्रिया को सहज और सुगम बना दिया है। यह विकास सिर्फ यात्रियों के लिए ही नहीं, बल्कि रेलवे के संचालन और प्रबंधन के लिए भी एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ है। डिजिटल प्लेटफार्मों के जरिए टिकट बुकिंग, सीट आवंटन, और यात्रा की जानकारी अब एक क्लिक पर उपलब्ध है। यात्री रेलवे की वेबसाइट या मोबाइल एप्लिकेशन के माध्यम से अपनी यात्रा की योजना बना सकते हैं, ट्रेन के समय, प्लेटफार्म की जानकारी और यहां तक कि ट्रेनों की वास्तविक समय में स्थिति भी देख सकते हैं। इससे न केवल समय की बचत होती है, बल्कि अनावश्यक परेशानियों से भी बचा जा सकता है। रेलवे प्रशासन के लिए भी डिजिटल तकनीक एक वरदान साबित हो रही है। रेलवे की संचालन प्रणाली में सुधार, मालगाड़ियों की ट्रैकिंग, और संसाधनों के अधिकतम उपयोग के लिए डिजिटल तकनीक का उपयोग हो रहा है। इससे न केवल संचालन में तेजी आई है, बल्कि रेलवे के वित्तीय स्थिति में भी सुधार हुआ है। डिजिटलाइजेशन से रेलवे की पारदर्शिता भी बढ़ी है, जिससे भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने में मदद मिल रही है। भारतीय रेलवे का यह डिजिटल सफर न केवल यात्री अनुभव को सुधार रहा है, बल्कि यह देश की आर्थिक प्रगति में भी योगदान दे रहा है। डिजिटल विकास के इस युग में, भारतीय रेलवे एक नई ऊंचाईयों की ओर बढ़ रही है, जो एक आधुनिक और प्रभावी परिवहन प्रणाली का उदाहरण बन रही है।

स्वतंत्रता दिवस और भारतीय रेलः एक गौरवशाली यात्रा

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा स्वतंत्रता दिवस पूरी गरिमा के साथ मनाया गया। मुख्यालय परिसर, बिलासपुर में आयोजित समारोह में मुख्य अतिथि सुश्री नीनु इटियेरा, महाप्रबंधक ने ध्वजारोहण कर परेड की सलामी ली।

श्री राम करन यादव, जनरल मैनेजर, सेंट्रल रेलवे ने UNESCO विश्व धरोहर स्थल, छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस एवं सेंट्रल रेलवे मुख्यालय भवन पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया।

78वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर, उत्तर मध्य रेलवे के महाप्रबंधक श्री उपेन्द्र चंद्र जोशी ने प्रयागराज मुख्यालय में राष्ट्रीय ध्वज फहराया। इस अवसर पर 23 रेलकर्मियों को उनके उत्कृष्ट कार्य निष्पादन के लिए सम्मानित किया गया। समारोह में देशभक्ति और समर्पण की भावना का प्रदर्शन हुआ।

स्वतंत्रता दिवस पर रेल स्टेडियम, भुवनेश्वर में राष्ट्रध्वज फहराते हुए, महाप्रबंधक, ECOR श्री परमेश्वर फंकवाल ने आरपीएफ दस्ते को सलाम किया।

उत्तर पश्चिम रेलवे के प्रधान कार्यालय में स्वतन्त्रता दिवस के अवसर पर प्रधान कार्यालय, जगतपुरा में आयोजित समारोह में श्री अमिताभ, महाप्रबंधक-उत्तर पश्चिम रेलवे ने दिनांक 15.08.2024 को ध्वजारोहण किया।

महाप्रबंधक श्री आर. एन. सिंह ने चेन्नई के पेरम्बूर रेलवे स्टेडियम में राष्ट्रीय ध्वज फहराया। इस अवसर पर कर्मचारियों और अधिकारियों ने देशभक्ति और एकता के प्रतीक के रूप में सम्मान प्रकट किया।

दक्षिण पश्चिम रेलवे ने रेल सौधा, मुख्यालय, हुब्बली में 78वां स्वतंत्रता दिवस बड़े उत्साह के साथ मनाया। महाप्रबंधक श्री अरविंद श्रीवास्तव ने मुख्य अतिथि के रूप में इस अवसर की शोभा बढ़ाई और गर्व के साथ राष्ट्रीय ध्वज फहराया

पश्चिम रेलवे पर स्वतंत्रता दिवस 2024 उत्साहपूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर महाप्रबंधक श्री अशोक कुमार मिश्र ने मुख्यालय में आयोजित समारोह में ध्वजारोहण कर तिरंगे को सलामी दी तथा रेल सुरक्षा बल की परेड का निरीक्षण किया। उन्होंने रेलकर्मियों व उनके परिवारजनों को शुभकामनाएं दीं।

स्वतंत्रता दिवस का भारतीय रेल के इतिहास में विशेष महत्व है। 15 अगस्त, 1947 को जब भारत आजाद हुआ, तब से लेकर आज तक, भारतीय रेल ने देश की एकता और अखंडता को बनाए रखने में अहम भूमिका निभाई है। हर साल, भारतीय रेलवे के विभिन्न जोन और मंडलों में स्वतंत्रता दिवस धूमधाम से मनाया जाता है। इस दिन, रेल अधिकारी और कर्मचारी तिरंगा फहराकर देशभक्ति की भावना को जागृत करते हैं। महाप्रबंधकों से लेकर रेलवे के सभी कर्मचारियों तक, हर कोई इस अवसर पर राष्ट्र के प्रति अपनी निष्ठा और समर्पण को प्रकट करता है। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर रेलवे की सुरक्षा बलों द्वारा परेड का आयोजन, और रेलवे परिसरों की सजावट, एकता और गर्व का प्रतीक है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि भारतीय रेल न सिर्फ एक परिवहन सेवा है, बल्कि यह देश की विकास यात्रा का भी अभिन्न हिस्सा है।

श्री अनिल कुमार मिश्रा, महाप्रबंधक, दक्षिण-पूर्वी रेलवे ने SER मुख्यालय, गार्डन रीच, कोलकाता में सभा को संबोधित किया। उन्होंने रेलवे के विकास और कर्मचारियों की मेहनत की सराहना की। मिश्रा ने भविष्य में बेहतर सेवाओं के लिए निरंतर प्रयास करने का संकल्प लिया।

श्री अरुण कुमार जैन ने सिकंदराबाद के आरएससी मैदान पर भारत की 78वीं स्वतंत्रता दिवस के मौके पर ध्वजारोहण किया और दक्षिण केंद्रीय रेलवे (SCR) के कर्मचारियों एवं उनके परिवारों को शुभकामनाएं दीं।

उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक श्री शोभन चौधुरी द्वारा 78वें स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य पर नई दिल्ली स्थित उत्तर रेलवे के प्रधान कार्यालय, बड़ौदा हाउस में ध्वजारोहण किया गया।

पश्चिम मध्य रेल में देश के 78वें स्वंतत्रता दिवस समारोह के दौरान महाप्रबंधक श्रीमती शोभना बंदोपाध्याय के द्वारा ध्वजारोहण, परेड का निरीक्षण एवं परेड की सलामी ली गई तत्पश्चात सन्देश वाचन किया गया।

महाप्रबंधक, पूर्वोत्तर रेलवे सुश्री सौम्या माथुर ने सैयद मोदी रेलवे स्टेडियम, गोरखपुर में ध्वजारोहण किया तथा उपस्थित रेल अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सम्बोधित किया।

78वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर महाप्रबंधक श्री छत्रसाल सिंह ने हाजीपुर स्थित महाप्रबंधक कार्यालय 'रेल निकेतन' परिसर में ध्वजारोहण किया एवं राष्ट्रध्वज को सलामी दी। ध्वजारोहण समारोह में बड़ी संख्या में अधिकारी, कर्मचारी एवं आम जन उपस्थित थे।

महाप्रबंधक/एनएफआर, श्री चेतन कुमार श्रीवास्तव ने एनएफआरएसए इंडोर स्टेडियम, मालीगांव में राष्ट्रीय ध्वज फहराया और उपस्थित जनसमूह को संबोधित किया

श्री संतोष कुमार झा, CMD/कोंकण रेलवे, ने स्वतंत्रता दिवस 2024 के अवसर पर कोंकण रेल विहार, नेरुल, नवी मुंबई में राष्ट्रीय ध्वज फहराया। इस अवसर पर आयोजित समारोह में कर्मचारियों और स्थानीय लोगों ने मिलकर देशभक्ति का उत्सव मनाया।

आयुष मंत्रालय अंतिम छोर तक मानकृत और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने के लिए तैयार।

- प्रमाणन का उद्देश्य भारत भर में जमीनी स्तर पर गुणवत्तापूर्ण और मानकीत स्वास्थ्य सेवाओं को बढ़ाना है
- इस प्रयास के तहत जून, 2024 से सितंबर, 2024 तक पूरे भारत में वरिष्ठ नागरिक आबादी के लिए 10,000 वृद्धावस्था चिकित्सा शिविर आयोजित किए जा रहे हैं।

सूत्र/रे.स.ब्यू - आयुष्मान आरोग्य मंदिर (आयुष) के लिए एनएबीएच आयुष प्रवेश स्तर प्रमाणन (एईएलसी) प्राप्त करने के लिए विशेष अभियान शुरू किया गया, लक्षित 1000 में से अब तक 750 प्रमाणित हो चुके हैं। राष्ट्रीय आयुष मिशन के जरिए आयुष मंत्रालय का उद्देश्य भारत के जमीनी स्तर के लाभार्थियों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा प्रदान करना है। हाल ही में शुरू किए गए एक विशेष अभियान के अंतर्गत मंत्रालय ने सितंबर, 2024 तक 1000 आयुष्मान आरोग्य मंदिरों (एएएम, आयुष) को लक्ष्य किया है कि वे एनएबीएच (अस्पतालों और स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं के लिए राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड) प्रवेश स्तर प्रमाणन प्राप्त करें, जिनमें से अब तक 750 को प्रमाणित किया जा चुका है। सरकारी स्वामित्व वाले आयुष स्वास्थ्य सेवा केंद्र जो अब आयुष्मान आरोग्य मंदिर (एएएम) आयुष हो चुके हैं, आयुष मंत्रालय ने उनके लिए एनएबीएच आयुष प्रवेश स्तर प्रमाणन (एईएलसी) शुरू करने के लिए भारतीय गुणवत्ता परिषद (क्यूसीआई) के साथ साझेदारी की है। ये भारत में गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा के मानकीकरण की दिशा में एक बहुत महत्वपूर्ण कदम है। वरिष्ठ नागरिकों की चिकित्सा के लिए लक्षित इस प्रयास के अंतर्गत जून, 2024 से सितंबर, 2024 तक पूरे भारत में 10,000 वृद्धावस्था चिकित्सा शिविर आयोजित किए जा रहे हैं, जो वृद्ध आबादी की विशिष्ट स्वास्थ्य सेवा आवश्यकताओं पर ध्यान केंद्रित करेंगे। इन शिविरों का प्राथमिक उद्देश्य सरल नैदानिक जांच के आधार पर वरिष्ठ नागरिक के स्वास्थ्य का आकलन करना है। प्रत्येक वरिष्ठ मरीज की प्राथमिक जांच विशेष रूप से डिजाइन किए गए स्क्रीनिंग प्रोफार्मा और रिकॉर्ड के अनुसार की जाती है। वरिष्ठ नागरिकों को मधुमेह, उच्च रक्तचाप, ब्रोन्कायल अस्थमा, ऑस्टियोआर्थराइटिस, हर्निया, प्रोस्टेट, त्वचा और दृष्टि संबंधी बीमारियों जैसी पुरानी बीमारियों के बारे में उचित सलाह मिलती है। इसमें उनके भविष्य के फॉलो-अप, देखभाल की निरंतरता के लिए प्रिस्क्रिप्शन पर्ची के अनुसार आहार संबंधी नियम भी शामिल होते हैं। इन शिविरों के आयोजन के लिए एक विशेष पोर्टल बनाया गया है और इसमें 9,673 से अधिक केंद्र पंजीत किए जा चुके हैं। इनमें से 2957 शिविर आयोजित किए जा चुके हैं। ये शिविर राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के आयुष कॉलेजों, अनुसंधान परिषदों और आयुष मंत्रालय के अंतर्गत राष्ट्रीय संस्थानों के सहयोग से आयोजित किए जा रहे हैं और अन्य हितधारक भी विशेष अभियान में भाग ले रहे हैं। राष्ट्रीय आयुष मिशन, राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों की सरकारों के समर्थन से, पूरे देश में सुलभ और व्यापक गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। आयुष प्रवेश स्तर प्रमाणन और वृद्धावस्था चिकित्सा शिविर इस लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं।

भ्रामक हर्बल और आयुष उत्पाद विज्ञापनों के खिलाफ उठाए गए कदम।

सूत्र/रे.स.ब्यू - आयुष मंत्रालय ने वर्ष 2021 में एक केंद्रीय क्षेत्र योजना-आयुष औषधि गुणवत्ता एवं उत्पादन संवर्धन योजना (एओजीयूएसवाई) तैयार की है। इस योजना का एक हिस्सा आयुर्वेद, सिद्ध, यूनानी और होम्योपैथी दवाओं (एएसयू और एच ड्रग्स) के लिए फार्माकोविजिलेंस कार्यक्रम भी है। यह कार्यक्रम देश भर में स्थापित राष्ट्रीय फार्माकोविजिलेंस सेंटर (एनपीवीसीसी), पांच मध्यवर्ती फार्माकोविजिलेंस सेंटर (आईपीवीसी) और 99 पेरिफेरल फार्माकोविजिलेंस सेंटर (पीपीवीसी) के तीन-टियर नेटवर्क के माध्यम से काम कर रहा है। फार्माकोविजिलेंस केंद्रों के इस चौनल के माध्यम से आपत्तिजनक/भ्रामक विज्ञापनों की नियमित रूप से संबंधित राज्य लाइसेंसिंग अधिकारियों को रिपोर्ट की जाती है। ड्रग्स और मैजिक रेमेडीज (आपत्तिजनक विज्ञापन) अधिनियम, 1954, केबल टेलीविजन नेटवर्क (विनियमन) अधिनियम 1995, उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, प्रतीक और नाम (अनुचित उपयोग की रोकथाम) अधिनियम, 1950, शिशु दूध के विकल्प, दूध पिलाने की बोतलें और शिशु आहार (उत्पादन, आपूर्ति और वितरण का विनियमन) अधिनियम, 1992, युवा व्यक्ति (हानिकारक प्रकाशन) अधिनियम, 1956 आदि विभिन्न नियमों के तहत उल्लंघन पर नजर रखी जाती है। इसके अलावा, राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा प्रणाली आयोग विनियम 2022 और राष्ट्रीय होम्योपैथी आयोग विनियम 2022 के अनुसार, फार्माकोविजिलेंस सभी आयुष चिकित्सा प्रणाली के लिए एक अनिवार्य घटक है। फार्माकोविजिलेंस कार्यक्रम के तहत अब तक आयुष दवाओं से संबंधित कुल 38539 भ्रामक विज्ञापन सामने आए हैं। विभिन्न राज्य/केंद्रशासित प्रदेश सरकार से प्राप्त जानकारी के अनुसार, बिना किसी प्रामाणिक नैदानिक परीक्षण के बाजार में आयुष उत्पादों की बिक्री के खिलाफ ऐसी कोई शिकायत प्राप्त नहीं हुई है। ड्रग्स एंड मैजिक रेमेडीज (आपत्तिजनक विज्ञापन) अधिनियम, 1954 की धारा 8 (1) के तहत, राज्य सरकार द्वारा अधिकृत कोई भी गैजेटेड अधिकारी, उस क्षेत्र की स्थानीय सीमा के भीतर, जिसके लिए वह अधिकृत है, किसी भी परिसर में प्रवेश, तलाशी ले सकता है। या ऐसे किसी रिकॉर्ड की जांच या जब्त करना जो अधिनियम के किसी भी प्रावधान का उल्लंघन करता हो। आयुष मंत्रालय ने राज्य औषधि लाइसेंसिंग प्राधिकारियों और राज्य औषधि नियंत्रकों से समाचार पत्रों सहित इलेक्ट्रॉनिक और प्रिंट मीडिया में अनुचित विज्ञापन को रोकने के लिए सुधारात्मक उपाय करने और ड्रग्स एंड मैजिक रेमेडीज (आपत्तिजनक विज्ञापन) अधिनियम, 1954 की धारा 8 (1) के अनुसार कार्रवाई शुरू करने का भी अनुरोध किया है।

देश में इन विज्ञापनों और भ्रामक दावों पर लगाम लगाने में सरकार किस हद तक सफल हुई है, इसका विवरण इस प्रकार है

- फार्माकोविजिलेंस घटकों के तहत आयुर्वेदिक, सिद्ध, यूनानी और होम्योपैथी दवाओं की सुरक्षा निगरानी के लिए केंद्रीय क्षेत्र की योजना आयुष औषधि गुणवत्ता एवं उत्तपादन संवर्धन योजना (एओजीयूएसवाई) में एएसयू एंड एच दवाओं के भ्रामक विज्ञापनों की निगरानी का प्रावधान रखा गया है। आयुष मंत्रालय के तहत अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (एम्स), नई दिल्ली आयुर्वेद, सिद्ध, यूनानी और होम्योपैथी दवाओं के लिए राष्ट्रीय फार्माकोविजिलेंस कार्यक्रम के कार्यान्वयन के लिए राष्ट्रीय फार्माको-विजिलेंस समन्वय केंद्र (एनपीवीसीसी) है।
- आयुष औषधि गुणवत्ता एवं उत्पादन संवर्धन योजना (एओजीयूएसवाई) योजना के एएसयू और एच ड्रग्स घटक के लिए फार्माकोविजिलेंस कार्यक्रम के तहत, अब तक आयुष दवाओं से संबंधित कुल 38539 भ्रामक विज्ञापनों की सूचना डिफॉल्टरों के खिलाफ उचित कार्रवाई के लिए संबंधित राज्य लाइसेंसिंग अधिकारियों को दी गई है।
- उपभोक्ता मामलों का विभाग (डीओसीए) भ्रामक विज्ञापनों के खिलाफ शिकायत (जीएएमए) पोर्टल का रखरखाव करता है, जो भ्रामक विज्ञापनों के मामलों को संबोधित करने के लिए एक मंच प्रदान करता है। इसके अलावा, चूंकि टीवी चौनलों के लिए नियम और प्रवर्तन सूचना और प्रसारण मंत्रालय (एमओआईबी) के अधीन आते हैं, इसलिए टीवी चौनलों पर प्रसारित होने वाले भ्रामक विज्ञापनों के संदर्भ कार्रवाई के लिए एमओआईबी को भेजे जाते हैं।
- अब तक आयुष प्रणाली के लगभग 358 ब्रांडों को विभिन्न नियमों का फायदा उठाने के लिए नोटिस जारी किया गया है। साथ ही, प्रेस काउंसिल ऑफ इंडिया (पीसीआई) नियमित रूप से डिफॉल्टर के खिलाफ कार्रवाई कर रही है।

एमडीएनआईवाई, एनएसजी और सीआईएसएफ के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

सूत्र/रे.स.ब्यू- मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान ने दो अन्य महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। इस तरह के सहयोग का लक्ष्य एनएसजी और सीआईएसएफ के लिए नियमित योग प्रशिक्षण कार्यक्रम तथा संबंधित गतिविधियां आयोजित करना है। दूसरा समझौता हरियाणा में गुरुग्राम के मानेसर में राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) प्रशिक्षण केंद्र के साथ किया गया है, जिस पर मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान के निदेशक डॉ. काशीनाथ समगंडी और उप महानिरीक्षक (ऑपरेशन एवं प्रशिक्षण) मुख्यालय एनएसजी ब्रिगेडियर शंकर जी तिवारी ने हस्ताक्षर किए। इसके साथ ही, तीसरा समझौता ज्ञापन केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआई- एसएफ) प्रशिक्षण केंद्र के साथ सीआईएसएफ की महानिरीक्षक (आरएंडटी) शिखा गुप्ता की उपस्थिति में किया गया। इन समझौतों के अंतर्गत वर्दीधारी कर्मियों पर योग के प्रभाव का अध्ययन करने के लिए विशेष योग प्रोटोकॉल, कार्यशालाएं, सम्मेलन एवं शोध गतिविधियों का आयोजन करना शामिल है। यह भारत के सुरक्षा बलों के स्वास्थ्य कार्यक्रमों में योग को एकीकृत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिससे संभावित रूप से उनकी परिचालन प्रभावशीलता तथा व्यक्तिगत कल्याण में बढ़ोतरी होगी। ये समझौता ज्ञापन विभिन्न क्षेत्रों में स्वास्थ्य एवं कल्याण के लिए एक समग्र दृष्टिकोण के रूप में योग को बढ़ावा देने के लिए मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान की प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं। मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान वास्तव में दिल्ली विश्वविद्यालय के गार्गी कॉलेज, जैसे शैक्षिक संस्थानों और एनएसजी तथा सीआईएसएफ जैसे सुरक्षा बलों के साथ साझेदारी करके अपनी पहुंच व प्रभाव का विस्तार कर रहा है। यह योग की प्राचीन पद्धति के माध्यम से कल्याण की संस्कृति को बढ़ावा दे रहा है और लोगों को सशक्त बना रहा है।

मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान ने तीन समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर करके महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की।

सूत्र/रे.स.ब्यू- मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान (एमडीएन आईवाई) ने एक ही दिन में दिल्ली विश्वविद्यालय के गार्गी कॉलेज, राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) और केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के साथ तीन अलग-अलग समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर करके एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की। यह मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान के इतिहास में एक प्रमुख उपलब्धि है। इस सहभागिता का उद्देश्य शैक्षणिक संस्थानों से लेकर राष्ट्रीय सुरक्षा बलों तक विविध क्षेत्रों में योग के लाभों को बढ़ावा देना है। मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान और दिल्ली विश्वविद्यालय के गार्गी कॉलेज के बीच समझौता ज्ञापन मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान के निदेशक डॉ. काशीनाथ समगंडी और गार्गी कॉलेज की प्राचार्य प्रोफेसर संगीता भाटिया की उपस्थिति में मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान तथा दिल्ली विश्वविद्यालय के गार्गी कॉलेज के बीच पहले समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इसका उद्देश्य प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम जैसे कि फाउंडेशन कोर्स, प्रोटोकॉल इंस्ट्रक्टर कोर्स (सीसीवाईपीआई), वेलनेस कोर्स इंस्ट्रक्टर (सीसीवाईडब्ल्यूआई) आदि शुरू करना, छात्रओं में व्यावसायिक योग्यता विकसित करना तथा महिला सशक्तिकरण के उद्देश्य से विशेष रूप से लड़कियों के लिए पूर्णकालिक डिप्लोमा पाठ्यक्रम शुरू करने की संभावना तलाशना है।

पाठकों से अनुरोध

विगत वर्षों की भाँति आगामी वर्ष के लिए अपनी रेल समाचार ब्यूरो पत्रिका को सुरक्षित करने के लिए वार्षिक सदस्यता शुल्क शीघ्र भेजने की क पा करें, जिससे उक्त पत्रिका आपको नियमित भेजी जा सके।

सहयोग राशिः

१. उच्चतम अधिकारी-5000 रु. मात्र
२. उच्च अधिकारी- 3500 रु. मात्र
३. अधीनस्थ अधिकारी-2500 रु. मात्र
४. रेलकर्मी/अन्य सदस्य-1000 रु. मात्र

सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी ज्ञानेन्द्र कुमार श्रीवास्तव

पंजिकृत कार्यालय

502 पंचशीला भवन त्रिवेनी रोड, नेतानगर, कीडगंज प्रयागराज-211003 से प्रकाशित।

कैंप कार्यालय- अनिल केन (रिपोर्टर) कार्यालय 8436 आर्य नगर पहाड़गंज दिल्ली-55

समस्त प्रकार के कानूनी मामलों का न्यायिक क्षेत्र प्रयागराज होगा

सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी ज्ञानेन्द्र कुमार श्रीवास्तव
दि. इलाहाबाद ब्लॉक वर्क्स प्रा. लि.
329/255 चक. जीरो रोड
इलाहाबाद से मुद्रित एवं 502 पंचशीला भवन त्रिवेनी रोड, नेतानगर, कीडगंज प्रयागराज-211003 से प्रकाशित।
आर.एन. आई नं. 51097-90
पोस्ट ए.डी.-8
मो. 9773946044, 9621922592
फोन नं. 0532-2418040

पाठको से अनुरोध

आपको यह अंक कैसा लगा ?
इसमें आप और क्या परिवर्तन चाहते हैं ?
कृपया अपने सुझावों से अवश्य ही अवगत कराएं जिससे हम पत्रिका में सुधार कर सकें। हमें आपके सुझाव का इंतजार रहेगा।

प्रधान संपादक

RailTel and Cylus Announce Strategic Partnership to Enhance Cybersecurity in Indian Railway Infrastructure New Delhi, India

Source/RailTel- RailTel, one of the most trusted end-to-end telecom, IT, and ICT solution providers in India, and Cylus, the leader in cybersecurity for the rail industry, are pleased to announce a strategic collaboration to strengthen the cybersecurity framework of Indian Railways infrastructure. RailTel known for its extensive pan-India optic fiber network and pivotal role in Information and Communications Technology (ICT) services, has partnered with Cylus to integrate and deploy CylusOneTM, Cylus' rail-specific cybersecurity solution. This partnership will focus on enhancing the security of railway signaling systems, both trackside, onboard, and SCADA systems within Indian railway infrastructure.

Key Aspects of the Collaboration:

Market Expansion: The collaboration will explore the supply of Cylus' state-of-theart cyber defense technologies for the Indian market. This expansion will enhance cybersecurity in India's railway infrastructure and public transport domains.

Professional Services Integration: Cylus will provide professional services to RailTel to facilitate the integration and deployment of the CylusOneTM product into RailTel systems. This integration will be pivotal for enhancing cybersecurity measures in railway signaling, telecom, and other ICT systems.

Competence Development: Cylus, in association with RAILTEL's Digital Service Partner, Rail Edutech Pvt Ltd, will provide specialized competence development programs in cybersecurity for railway and industry professionals. This initiative aims to enhance the cybersecurity expertise within the Indian rail sector.

RailTel and Cylus are committed to strengthening the Indian railway infrastructure and cybersecurity posture and ensuring the safety and reliability of vital railway technologies. This partnership represents a significant step in securing India's railway infrastructure against emerging cyber threats. Talking about this collaboration, Sh. Sanjai Kumar, CMD/ RailTel, said, "Indian Railway is undergoing a significant technological upgrade, with cyber security being a priority. We are thrilled to partner with Cylus and to play a crucial role in protecting Railway's mission-critical infrastructure from the increasing cyber security threats." "Our collaboration with RailTel underscores our commitment to securing critical railway infrastructure. We look forward to working closely with RAILTEL to deploy our advanced cybersecurity solutions and provide comprehensive training to railway personnel," said Ashish Upadhyay, Cylus Asia Pacific Director.

Delhi Metro Commemorates 'Partition Horrors Remembrance Day' with Special Exhibitions at Rajiv Chowk and Kashmere Gate Metro Stations

Source/DMRC - On the occasion of 'Partition Horrors Remembrance Day,' which is observed annually on 14th August, the Delhi Metro Rail Corporation (DMRC) has set up exhibitions at Rajiv Chowk and Kashmere Gate Metro stations. The exhibition vividly portrays the horrors of partition and its profound impact on our shared history. The exhibitions were formally thrown open in the presence of public representatives and eminent senior citizens. The 'Partition Horrors Remembrance Day' has been envisaged to bring to light the agony, suffering, and pain of millions of people who were the victims of Partition. It serves as a solemn reminder of the largest displacement of human population in our country's history, an event that claimed countless lives and forever altered the nation's social fabric. The exhibition is a collaborative effort between the Indian Council of Historical Research (ICHR) and the Indira Gandhi National Centre for the Arts (IGNCA). It provides a reflective and educational experience, offering visitors an in-depth understanding of the tragic events surrounding partition. In addition to Rajiv Chowk, a similar exhibition is also displayed at Kashmere Gate Metro station, ensuring that more commuters have the opportunity to engage with this important piece of history. The exhibitions will be available for public viewing till 21st August, 2024.

SCAN QR

Scan the Code for the Latest Verified
RAILWAYS NEWS ON OUR WEBSITE OR E-PAPER
हमारी वेबसाइट या ई-पेपर पर भारतीय रेलवे के सत्यापित समाचार को पढ़ने के लिए कोड को स्कैन करें
www.railsamacharbureauald.com

Ticketing for IR and Regional Rapid Transit Systems (RRTS) Trains on IRCTC Platform Under `One India - One Ticket' Initiative

Source/IRCTC- The Indian Railway Catering and Tourism Corporation Limited (IRCTC) and the National Capital Region Transport Corporation (NCRTC) signed an MoU on 12th August, 2024 to enhance the travel experience for passengers of the RRTS and Indian Railways through the 'One India – One Ticket' initiative. This partnership aims to provide seamless travel solutions to passengers booking online tickets through the IRCTC platform for railways, air travel, or buses who will now have the added convenience of seamlessly booking NCRTC QR code-based tickets. This will make it easier for passengers to book and travel using both the Indian Railways network and the RRTS services. The RRTS booking option for up to 8 travelers will be displayed on the PNR confirmation page and will also be accessible from the user's train ticket booking history. A unique QR code will be generated for each RRTS ticket and conveniently printed on the Electronic Reservation Slip (ERS). The QR codes will be valid for a period of 4 days, starting from the day before the RRTS journey date, the travel date itself, and two days after the journey date. Each passenger on the train ticket will receive their own RRTS ticket with a dedicated QR code, ensuring a hassle-free travel experience. All RRTS tickets booked for a single train ticket will share the same origin and destination stations for all passengers. RRTS tickets can be booked up to 120 days in advance, aligning with the current Railway reservation window (ARP). Confirmation via SMS and email, with unique RRTS QR code details will be sent to the registered mobile number and email address. On this occasion, Sh. Sanjay Kumar Jain, CMD, IRCTC and Sh. Shalabh Goel, MD, NCRTC, said, "With this collaboration between IRCTC and NCRTC, the travel would be seamless and a lot more easier in the Delhi NCR region." Senior officers from both the organi-sations were present during the MoU signing event. This landmark initiative by IRCTC and NCRTC not only promotes digitalization and environ-mentally friendly practices but also ensures an efficient and comprehensive travel exper-ience for the passengers.

CONCOR and IIT Roorkee Join Hands to Enhance Double-Stack Train Operations

Source/RSB- CONCOR (Container Corporation of India) has signed a Memorandum of Understanding (MoU) with IIT Roorkee to develop an advanced operational model aimed at optimizing double-stack train operations. This collaboration is expected to significantly boost productivity and streamline logistics, aligning with the Government of India's vision to reduce logistics costs and enhance the nation's competitiveness in the global market. The MoU signing ceremony was attended by Prof. Akshay Dwivedi, Dean of IIT Roorkee, and Prof. Amit Upadhyay, along with senior officials from both CONCOR and IIT Roorkee. The CMD of CONCOR also graced the occasion, underscoring the importance of this partnership in fostering innovation within the logistics sector.This initiative marks another milestone for CONCOR as it continues to integrate technology-driven solutions to improve customer experience. By leveraging the expertise of IIT Roorkee, CONCOR aims to develop a more efficient operational model, setting a new benchmark in double-stack train operations and contributing to the overall growth of India's logistics infrastructure.

विकसित भारत
विकसित उत्तर प्रदेश
"मां भारती की सेवा में सर्वस्व न्योछावर करने वाले वीर सपूतों, स्वातंत्र्य समर के ज्ञात-अज्ञात सेनानियों को शत-शत नमन। आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में 'सबका साथ-सबका विकास' के मंत्र को आत्मसात कर भारतवर्ष प्रगति के नए पथ पर गतिमान है। आइए, हम सब मिलकर विकसित एवं आत्मनिर्भर भारत के निर्माण का संकल्प लें। यही राष्ट्र निर्माताओं के प्रति हमारी सच्ची श्रद्धांजलि होगी।"
जय हिंद!
78 वें
स्वतंत्रता दिवस
की
हार्दिक शुभकामनाएं
- योगी आदित्यनाथ, मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश
मिशन रोजगार के अंतर्गत 6.50 लाख+ सरकारी नौकरियां
किसानों को नलकूप से सिंचाई के लिए मुफ्त बिजली
1 करोड़+ महिलाओं को स्वयं सहायता समूहों द्वारा रोजगार
56 लाख+ गरीब परिवारों को पक्के घर का उपहार
2 एम्स 65 मेडिकल कॉलेज संचालित
15 एयरपोर्ट संचालित 6 निर्माणाधीन
6 एक्सप्रेसवे संचालित 7 निर्माणाधीन
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश